MR. CHAIRMAN: I have already told you that he has spoken on this issue and several hon. members have given in writing on this case. I am getting it examined. After the examination, we will come back to you.

SHRI S.R. BOMMAI: It is a very important issue, Sir. *(Interruptions)*

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (Delhi): If he is allowed, then we should also be allowed to speak on it.

MR. CHAIRMAN: Till I get it examined and get a report, I cannot tell anything, nor can the Government tell. *(Interruptions)* No, please.

SHRI S.R. BOMMAI: It is for your consideration. Only one point. *(Interruptions)*

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI (Uttar Pradesh): Sir, we will have to go into the background and the facts.

MR. CHAIRMAN: When I am getting it examined, what more have you to say?

SHRI S.R. BOMMAI: I want to point out a Constitutional point for your consideration. It is only one point.

SHRIMATI KAMLA SINHA: Sir, this is not a matter of Shri Laloo Yadav only. It is a matter of the procedure. In cases where a political person is involved, how can the army be called? Here a procedure is involved. *(Interruptions)*

SHRI S.R. BOMMAI: I am not concerned with the individual, I am concerned with the Constitutional matter. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Please, sit down. कमला जी, आप मेरी बात सुनिए। ...(व्यवधान) बोम्मई जी, यहां पर इस हाऊस के अंदर जितने पोइंट आप कह रहे हैं, हाउस में डिस्कशन हुआ जिसका रिफ्रेंस उन्होंने दिया और यह सारे पोइंट जो आप कह रहे हैं उसमें आए हैं और मुझे कल रात को दिए। I am getting the matter examined. When I get the report, we will come back to you.

SHRI S.R. BOMMAI: Sir, I want to point out a Constitutional point.

MR. CHAIRMAN: Now, we go over to Sepcial Mentions.

SPECIAL MENTION

Riots in Hyderabad

श्री के० एम० खान (आन्ध्र प्रदेश): सदर साहब, हैदराबाद एक तारीखी शहर है, यह प्यार मौहब्बत का शहर है, गंगा जमनी तहज़ीब का यह गहवारा रहा है। हिन्दु-मुस्लिम इतहाद हैदराबाद का मिसाइली कल्चर है। लेकिन मैं बहुत दुख के साथ यह अर्ज करना चाहता हूं कि उस शहर को जिसे हम कुली कुतुब शाह का शहर कहते हैं, वली-ए-दक्कनी का शहर कहते हैं, मकदूम मुहियुद्दी का शहर है जहां आपने बहुत वर्षों तक सदर साहब, उन रिवायात को मजबूत बनाया जो इस मुल्क का विरसा है। एक ऐसे शहर में पिछले कुछ दिनों से इस शहर को किसी की नजर लग गई है और यह शहर कुछ अरसे से खौफ और दहशत के माहौल का शिकार है। इस शहर में पिछले चंद दिनों में जो हुआ है मैं आपके तबस्सुम से इस ऐवान की तवज्जोह उन हालात की तरफ दिलाना चाहता हूं। सदर साहब, 5 जून से 8 जून तक हैदराबाद के बहुत से हिस्से जलते रहे, हैदराबाद जलता रहा और गरीब अवाम के सिरों पर मौत के साये मंडराते रहे। आज की रात भी हैदराबाद के शहरियों ने कर्फ्यू के बीच में गुजारी है। ऐसा आज हैदराबाद का माहौल है और ये सब कुछ इसलिए हुआ कि यकुम जून और उससे पहले हैदराबाद के पुराने शहर में पता नहीं कौन लोग हैं जिन्होंने एक पैम्फलेट तकसीम किया। इस पैम्फलेट के नीचे दो मुकद्दस मुक़ामात हैं जो सिर्फ मुसलमानों के मुकद्दस मुक़ामात नहीं है, सारी दुनिया इनका एहतराम करती है, यह मुल्क ऐहतराम करता है। मक्काए काबे की और मदीने की तसवीर के साथ गणेश को खड़ा दिखाया गया और ये पैम्फलेट हैदराबाद के मुख्तलिफ़ हिस्सों में बांटे गए। वे लोग जिनका किसी सियासी मकतबे ख्याल से ताल्लुक नहीं है, उन लोगों ने पुलिस की तवज्जो इस जानिब दिलाई, हुकूमत की तवज्जो इस जानिब दिलाई कि अगर ये पैम्फलेट इस तरह बंटते रहे तो इससे शहर में इश्तिआल पैदा होगा, इससे शहर में तशद्दुद का अंदेशा है। ये बातें आम आदमी सरकार से कहते रहे, पुलिस से कहते रहे लेकिन बहुत अफसोस की बात है कि पुलिस ने इन मामलात में कोई तवज्जो नहीं दी, इसका कोई सीरियस नोट नहीं लिया। जो

वार्निंग पुलिस को दी जा रही थी, उसका पुलिस पर कोई असर नहीं हुआ और फिर वह दिन आया जो इस महीने का एक खराब दिन था, एक बदनुमा दिन था। वह यह था कि 5 जून जुम्मे के दिन हमेशा यह होता है कि हैदराबाद की मक्का मसज़िद में हज़ारों मुसलमान जमा होते हैं नमाज़े जुम्मा के लिए। वे वहां जमा हुये और जब वे बाहर निकल रहे थे तो लाज़िमी तौर पर उनके ज़ज्बात मज़रूह थे। इसलिए मज़रूह थे कि एक ऐसा वाकया हुआ जो नाकाबिले माफी है। मक्का से, मदीना से हमारी ज़ज्बाती वाबस्तगी है। हम सब कुछ बरदाश्त कर सकते हैं लेकिन ये बरदाश्त नहीं कर सकते, मैं यह नहीं कहता कि किसी मज़हब के लोगों ने यह किया है। आज भी मेरा कोई ऐट्रीब्यूशन नहीं है, मैं यह कहने के लिए खड़ा हुआ हूं कि इसकी जांच हो। मेरा किसी पोलिटिकल पार्टी के खिलाफ ऐट्रीब्यूशन नहीं है लेकिन मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इसको मुसलमान बरदाश्त नहीं कर सकता है। वे बड़े ज़ज्बात में थे, चार मीनार की तरफ जाना चाहते थे। पुलिस ने उनको रोका, उनकी मज़ाहमत की और उनको दूसरी तरफ शाहलिबन्डा की तरफ धकेल दिया। इसमें तशद्दुद हुआ, बहुत सी बसें जलीं। हैदराबाद का एक तारीखी मंदिर है अकना मदना मंदिर जिससे आप खुद भी वाकिफ हैं। बदकिस्मती की बात है कि उस मंदिर पर भी कुछ लोगों ने हमला किया और कुछ ऐसी बातें हुईं जिनको पढ़ कर, जिनको देख कर हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। होना यह चाहिए था कि सरकार और पुलिस, जो वाकयात 5 जून को वहां हुये, उसका सीरियस नोट लेती लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कुछ लोग कहते हैं कि हैदराबाद में यह सब कुछ इसलिए हो रहा है कि वहां की जो बरसरे इक्तदार पार्टी है, जब से इस पार्टी ने मरकज़ की भारतीय जनता पार्टी को अपना सहयोग देना शुरु किया है, अपना तआवुन देना शुरु किया है, उस वक्त से वहां के हालात बदल रहे हैं। वहां की अकल्लियतें खौफ और हिरास का शिकार हैं, दहशत का शिकार हैं। मैं यहां यह कहना चाहता हूं कि इस वाकये का एक पसमंज़र है। इस वाकये का पसमंज़र यह है कि अप्रैल के महीने में यह होता रहा कि वहां के जो मुसलमान हैं.....अगर मैं गलत हूं तो आप तरदीद करें....वहां की जो मुसलमान औरतें हैं, उनके साथ बेहुरमती हुई, 8 अप्रैल को, पुलिस ने जिले मेहब्बूनगर के एक हिस्से में, हुस्ने बी की इज़्ज़तमाई बेहुरमती की। क्या ये वाकयात इस बात की दलील नहीं देते हैं कि ऐसा मुनज्जम तरीके पर हो रहा है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि एक अहसास है वहां के लोगों को कि ऐसा सब कुछ इसलिए हो रहा है और हुकूमत अकल्लियतों के मामले में कोई सीरियस नोट नहीं ले रही है। जब ये तशद्दुद भड़क उठा तो होना यह चाहिए था कि 6 जून को सरकार कर्फ्यू इम्पोज़ कर देती लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 6 जून को दिन के 11 बजे से लेकर 3 बजे तक पुराने शहर के मुख्तलिफ मुक़ामात पर दंगे होते रहे, मकान जलते रहे, औरतें बेवा होती रहीं, बच्चे यतीम होते रहे और हमारी पुलिस इसका तमाशा देखती रही, इसको रोका नहीं जा सका, यही मैं आपसे कहना चाहता हूं। इसलिए मैं आपसे यह अर्ज करना चाहता हूं कि हम इस वाक़यात की मज़म्मत करने के लिए खड़े हुए हैं। 6 तारीख को वहां 3 मसजिदें जलीं, 2 मंदिर टूटे, 2 मंदिरों पर हमला हुआ। जो मसजिदें जलीं, सदर साहब, मैं आपकी इजाज़त से इस ऐवान को यह किताब जो हमारी मुक़द्दस किताब है, उनमें कुराने पाक था, यह दिखाना चाहता हूं। ऐस हजारों नुस्खे कुराने पाक के, मैंने और पुलिस अफसरों ने वहां जा कर देखें हैं जिनको मसज़िद के अंदर जला कर मसज़िद को तबाह, बरबाद किया गया। मेरा इंटेलिजेंस पर, मेरा हुकूमत पर यह इलज़ाम है कि उसने कुछ नहीं किया। 7 तारीख को मैंने हमारे होम मिनिस्टर आडवाणी साहब से टेलीफोन पर बात की।

मैंने कहा कि आडवाणी साहब, हैदराबाद जल रहा है। हमारी इसमें कोई राजनीति नहीं है। हम चाहते हैं कि आप इस बात का नोट लें। मुख्य मंत्री कह रहे हैं आर्मी से स्टैंडबाय रहने के लिए सेंट्रल फोर्सेज के डिप्लायमेंट के लिए। तो हम चाहते हैं कि आप सेंट्रल फोर्सेज को डिप्लाय करें और वहां भेजें। मुझे खुशी है कि सेंट्रल फोर्सेज वहां आई लेकिन उसके बावजूद हालात सुधरे नहीं और फिर गैर मुअयैना मुद्दत का कर्फ्यू 43 घंटे तक वहां पर जारी रहा और लोग परेशान रहे। सदर साहब, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि जो लोग मरे, जिनकी दुकानें जलीं और जो लोग तबाह हुए, उसका कोई मुआवजा नहीं हो सकता है लेकिन यह जरूर हो कि सरकार, मरकज़ की सरकार एक सी०बी०आई० इनक्वायरी करवाए कि वे कौन सी ताकतें हैं, वे कौन से अनासिर हैं जिन्होंने ये पैम्फलेट बांटे? इनका मकसद क्या था? इनका पसमंजर क्या था? अगर वह हैदराबाद की हिंदू-मुस्लिम एकता को खत्म करने के लिए, फसादात शुरु कराने के लिए पैम्फलेट बांट रहे थे तो इसकी जांच होनी चाहिए और जो जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही, इबरतनाक कार्यवाही होनी चाहिए, उनको सज़ा मिलनी चाहिए, यह मैं आपसे कहना चाहता हूं। इसके साथ-साथ सरकार ने कुछ मुआवज़े का ऐलान किया है। मैं आपसे यह अर्ज करूं कि जो मुआवज़ा दिया जा रहा है वह बहुत खलील है, मरने वालों को एक लाख रुपया और पता नहीं बाकी लोगों के लिए क्या है? मैं चाहता हूं कि सरकार इस बात का

एहतवान करे कि जितने मकानात जले हैं, सैकड़ों मकानात जले हैं, सैकड़ों दुकानें जली हैं, तो सरकार अपनी तरफ से इन सबको बना कर दे। मैं आपके सामने आदादो-शुमार पेश करना चाहता हूं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इन सारे दिनों में 9 लोग मरे हैं जिसमें 2 पुलिस की फायरिंग से मरे हैं, 7 छुराज़नी से मरे हैं और 84 लोग ज़ख्मी हुए हैं लेकिन जो अनफॉफिशियल फिगर्स हैं वे यह हैं कि 100 से ज्यादा लोग दवाखानों में ज़ेरइलाज हैं जिनको छुरा लगा है और मरने वालों की तादाद 12 से ज्यादा है। हुकूमत इस बात की जांच कराए कि सही सूरतेहाल क्या है? और जो मुतासरीन हैं और उनके जो लवाहिक़ीन हैं, उनको सरकार माली मदद दे। इसके अलावा मैं केन्द्र सरकार से यह कहना चाहता हूं कि एक मरकज़ी टीम वहां भेजी जाए ताकि इस सारे वाकये की गैरजानिबदाराना तहक़ीकात हो और जो अनासिर इसके जिम्मेदार हैं, उनको सख्त से सख्त सज़ा मिले ताकि हैदराबाद में फिर से ऐसे वाकये का इआदा न हो सके। बहुत-बहुत शुक्रिया।

†[शरी के -ایم -خان آندھراپردیش:
صدر صاحب، حیدرآباد ایک تاریخی شہر ہے، یہ پیار و محبت کا شہر ہے، گنگا جمنی تہزیب کا یہ گہوارہ رہا ہے۔ ہندو مسلم اتحاد حیدرآباد کا مثالی کلچر ہے۔ لیکن میں بہت دکھ کے ساتھ یہ عرض کرنا چاہتا ہوں کہ اس شہر کو جسے ہم "قلی قطب شاہ" کا شہر کہتے ہیں، مخدوم محی الدین کا شہر ہے جہاں آپنے بہت دوستوں تک صدر صاحب ان روایات کو مضبوط بنایا جو اس ملک کا ورثہ ہے۔ ایک ایسے شہر میں پچھلے کچھ دنوں سے اس شہر کو کسی کی نظر لگ گئی ہے اور یہ شہر کچھ عرصہ سے خوف و دہشت کے ماحول کا شکار رہے، اس شہر میں پچھلے چند دنوں میں جو ہوا ہے میں آپکے توسط سے اس ایوان کی توجہ ان حالات کی طرف دلانا چاہتا ہوں۔ صدر صاحب، ۵ رجون سے ۸ رجون تک حیدرآباد کے بہت سے حصّے جلتے رہے، حیدرآباد جلتا رہا اور غریب عوام کے سروں پر موت کے سائے منڈلاتے رہے، آج کی رات بھی حیدرآباد کے شہریوں نے کرفیو کے بیچ میں گزاری ہے۔ ایسا آج حیدرآباد کا ماحول ہے اور یہ سب کچھ اسلئے ہوا کہ یکم جون اور اس سے پہلے حیدرآباد کے پرانے شہر میں پتہ نہیں کون لوگ ہیں جنہوں نے ایک پمفلیٹ تقسیم کیا۔ اس پمفلیٹ کے اوپر دو مقدس مقامات ہیں جو صرف مسلمانوں کے مقدس مقامات نہیں ہیں، ساری دنیا انکا احترام کرتی ہے، یہ ملک احترام کرتا ہے۔ مکّہ، کعبہ کی اور مدینہ کی تصویر کے ساتھ گنیش کو کھڑا دکھایا گیا اور یہ پمفلیٹ حیدرآباد کے مختلف حصّوں میں بانٹے گئے۔ وہ لوگ جن کا کسی سیاسی مکتبہ خیال سے تعلق نہیں ہے ان لوگوں نے پولیس کی توجہ اس جانب دلائی، حکومت کی توجہ اس جانب دلائی کہ اگر یہ پمفلیٹ اسطرح بٹتے رہے تو اس سے شہر میں اشتعال پیدا

†[ ]Transliteration in Arabic Script

آپ سے کہنا چاہتا ہوں کہ اسے مسلمان برداشت نہیں کر سکتا ہے، وہ بڑے جذبات میں تھے، چار مینار کی طرف سے جانا چاہتے تھے، پولیس نے انکو روکا، انکی مزاحمت کی اور انکو دوسری طرف، شاہ لیپنڈے کی طرف ڈھکیل دیا۔ اسمیں تشدد ہوا، بہت سی بسیں جلیں۔ حیدرآباد کا ایک تاریخی مندر ہے اکنا مدنا مندر جس سے آپ خود بھی واقف ہیں۔ بدقسمتی کی بات ہے کہ اس مندر پر بھی کچھ لوگوں نے حملہ کیا اور کچھ ایسی باتیں ہوئیں جنکو پڑھکر، جن کو دیکھکر ہمارا سر شرم سے جھک جاتا ہے۔ ہونا یہ چاہئے تھا کہ سرکار اور پولیس، جو واقعات ۵ جون کو وہاں ہوئے اسکا سیریس نوٹ لیتی، لیکن ایسا نہیں ہوا۔ کچھ لوگ کہتے ہیں کہ حیدرآباد میں یہ سب کچھ اسلئے ہو رہا ہے کہ وہاں کی جو برسر اقتدار پارٹی ہے، جب سے اس پارٹی نے مرکز کی بھارتیہ جنتا پارٹی کو اپنا سپورٹ دینا شروع کیا ہے، اپنا تعاون دینا شروع کیا ہے، اسوقت سے وہاں کے حالات بدل رہے ہیں۔ وہاں کی اقلیتیں خوف و حراس کا شکار ہیں، دہشت کا شکار ہیں۔ میں یہاں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ اس واقعہ کا ایک پس منظر ہے۔ اس واقعہ کا پس منظر اس طرح ہوگا، اس سے شہر میں تشدد کا اندیشہ ہے۔ یہ باتیں عام آدمی سرکار سے کہتے رہے، پولیس سے کہتے رہے، لیکن بہت افسوس کی بات ہے کہ پولیس نے ان معاملات میں کوئی توجہ نہیں دی، اس کا کوئی سیریس نوٹ نہیں لیا۔ جو وارننگ پولیس کو دی جا رہی تھی اسکا پولیس پر کوئی اثر نہیں ہوا،

اور پھر وہ دن آیا جو اس مہینہ کا خراب دن ہے، ایک بدنما دن ہے۔ وہ یہ تھا کہ ۵ جون کو جمعہ کے دن ہمیشہ یہ ہوتا ہے کہ حیدرآباد کی مکہ مسجد میں ہزاروں مسلمان جمع ہوتے ہیں نماز جمعہ کے لئے۔ وہ وہاں جمع ہوئے اور جب وہ باہر نکل رہے تھے تو لازمی طور پر انکے جذبات مجروح تھے کہ ایسا واقعہ ہوا جو ناقابل معافی ہے۔ مکہ سے، مدینہ سے ہماری جذباتی وابستگی ہے۔ ہم سب کچھ برداشت کر سکتے ہیں لیکن یہ برداشت نہیں کر سکتے کہ کچھ ...

صدر صاحب، میں یہ نہیں کہتا کہ کسی مذہب کے لوگوں نے یہ کیا ہے، آج بھی میرا کوئی ایٹری ایوشن نہیں ہے، میں یہ کہنے کے لئے کھڑا ہوا ہوں کہ اسکی جانچ ہو۔ میرا کسی پولیٹیکل پارٹی کے خلاف ایٹری ایوشن نہیں ہے لیکن میں

کو وہاں تین مسجدیں جلیں، دو مندر ٹوٹے، دو مندروں پر حملہ ہوا۔ جو مسجدیں جلیں ... صدر صاحب، میں آپکی اجازت سے اس ایوان کو یہ کتاب، جو ہماری مقدس کتاب، قرآن پاک، یہ دکھانا چاہتا ہوں۔ ایسے ہزاروں نسخے قرآن پاک کے، میں نے اور پولیس افسروں نے وہاں جاکر دیکھے ہیں جن کو مسجد کے اندر جلاکر، مسجد کو تباہ و برباد کیا گیا، یہ وہاں ہوا۔ میرا انشیلی جنس پر، میرا حکومت پر یہ الزام ہے کہ اس نے کچھ نہیں کیا۔ ۷ر تاریخ کو میں نے ہمارے ہوم منسٹر ایڈوانی صاحب سے ٹیلیفون پر بات کی میں نے کہا کہ ایڈوانی صاحب حیدرآباد جل رہا ہے ہماری اسمبلی کوئی ریاضیتی نہیں ہے، ہم چاہتے ہیں کہ آپ اس بات کا نوٹس لیں، مکھیہ منتری کہہ رہے ہیں آرمی سے اسسٹنس مانگ رہے ہیں کیلئے، سنٹرل فورسیز کے ڈپلائمنٹ کے لئے۔ تو ہم چاہتے ہیں کہ آپ سنٹرل فورسز کو ڈپلائی کریں اور وہاں بھیجیں۔ مجھے خوشی ہے کہ سنٹرل فورسز وہاں آئیں، لیکن اسکے باوجود حالات سدھرے نہیں اور پھر غیر معینہ مدت کا کرفیو ۲۴ گھنٹہ تک وہاں پر جاری رہا اور لوگ پریشان رہے۔

رہے ہیں کہ اپریل کے مہینہ میں یہ ہو رہا ہے کہ وہاں پر جو مسلمان ہیں ... اگر میں غلط ہوں تو آپ تجزیہ کریں ... وہاں کی جو مسلمان عورتیں ہیں، روزانہ انکے ساتھ لوٹ ہوئی، ۷ر اپریل کو ۸ر اپریل کو، ۹ر اپریل کو، ایک ایک حصہ میں انکی اجتماعی بے حرمتی کی گئی۔ کیا یہ واقعات اس بات کی دلیل نہیں دیتے ہیں کہ ایسا منظم طریقہ پر ہو رہا ہے۔ میں آپ سے کہنا چاہتا ہوں کہ ایک احساس ہے وہاں کے لوگوں کو، کہ ایسا سب کچھ ایسا ہو رہا ہے اور حکومت اقلیتوں کے معاملے میں کوئی سیریس نوٹ نہیں لے رہی ہے۔ جب یہ تشدد بھڑک اٹھا تو ہونا یہ چاہیئے تھا کہ ۶ر جون کو سرکار کرفیو امپوز کر دیتی لیکن ایسا نہیں ہوا۔ ۶ر جون کو دن کے گیارہ بجے سے لے کر تین بجے تک پرانے شہر کے مختلف مقامات پر دنگے ہوتے رہے، عورتیں بیوہ ہوتی رہیں، بچے یتیم ہوتے رہے اور ہماری پولیس اسکا تماشہ دیکھتی رہی، اسکو روکا نہیں جاسکا، یہی میں آپ سے کہنا چاہتا ہوں۔ اسلئے میں آپ سے یہ عرض کرنا چاہتا ہوں کہ ہم ان واقعات کی مذمت کرنے کے لئے کھڑے ہوئے ہیں۔ ۶ر تاریخ

کرنا چاہتا ہوں۔ سرکاری اعلانات کے مطابق ان سارے دنوں میں ۹ لوگ مرے ہیں جسمیں دو پولیس کی فائرنگ سے مرے ہیں، ۷ چھرا زنی سے مرے ہیں، اور ۸۱ لوگ زخمی ہوئے ہیں لیکن جو ان آفیشلی فیگرس ہیں وہ یہ ہیں کہ ۱۰۰ سے زائد لوگ عارضی دواخانوں میں زیر علاج ہیں، جنکو چھرا لگا ہے اور مرنے والوں کی تعداد ۱۲ سے زیادہ ہے۔ تو حکومت اس بات کی جانچ کرائے کہ صحیح صورت حال کیا ہے؟ اور جو متاثرین ہیں اور انکے جو لواحقین ہیں انکو سرکار مالی مدد دے۔ اسکے علاوہ میں سینٹر سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ ایک مرکزی ٹیم وہاں بھیجی جائے، تاکہ اس سارے واقعہ کی غیر جانبدارانہ تحقیقات ہوں اور جو عناصر اسکے ذمہ دار ہیں انکو سخت سے سخت سزا ملے تاکہ حیدرآباد میں پھر ایسے واقعہ کا اعادہ نہ ہو سکے۔ بہت بہت شکریہ۔

"ختم شد"

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Mr. Chairman, Sir, thank you for giving me this opportunity to speak about the situation in Hyderabad city. Sir, before I say anything, I would like to refer to a small newsitem which has appeared in the "Indian Express" of

صدر صاحب، میں آپ سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ جو لوگ مرے، جنکی دوکانیں جلیں اور جو لوگ تباہ ہوئے، اسکا کوئی معاوضہ نہیں ہو سکتا ہے لیکن یہ ضرور ہو کہ سرکار، مرکزی سرکار ایک سی۔بی۔آئی۔انکوائری کروائے کہ وہ کونسی طاقتیں ہیں، وہ کون سے عناصر ہیں جنہوں نے یہ پمفلیٹ بانٹے؟ انکا مقصد کیا تھا؟ ان کا پس منظر کیا تھا؟ اگر وہ حیدرآباد کی ہندو مسلم ایکتا کو ختم کرنے کیلئے، فسادات شروع کرانے کیلئے پمفلیٹ بانٹ رہے تھے تو اسکی جانچ ہونی چاہئے اور جو ذمہ دار ہیں انکے خلاف کڑی کارروائی، عبرتناک کارروائی ہونی چاہئے، انکو سزا ملنی چاہئے، یہ میں آپ سے کہنا چاہتا ہوں۔ اسکے ساتھ ساتھ سرکار نے کچھ معاوضہ کا اعلان کیا ہے، میں آپ سے یہ عرض کروں کہ جو معاوضہ دیا جا رہا ہے وہ بہت قلیل ہے، مرنے والوں کو ایک لاکھ روپیہ اور پتہ نہیں باقی لوگوں کیلئے کیا ہے؟ میں چاہتا ہوں کہ سرکار اس بات کا اہتمام کرے کہ جتنے مکانات جلے ہیں، سینکڑوں مکانات جلے ہیں،

تو سرکار اپنی طرف سے ان سب کو بنا کر دے میں آپ کے سامنے اعداد و شمار پیش

today, that is, 10th June, 1998. I quote:

> "Riots revisited Hyderabad last week and the city knew it was coming because the pattern was cruelly cliched. On the hot afternoon of June 2, a car pulled up in front of a place of worship in the Old City. The windows rolled down. And out came handwritten pamphlets before the car sped off.
>
> People stopped to pick up the leaflets and read a cartoon lampooning the sentiments of a community accompanied by derogatory writing in Hindi and English. The word spread and the pamphlets appeared almost throughout the Old City the same day."

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Don't demand a judicial inquiry because of this newsitem.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, there is another newsitem which has appeared in "The Hindu", the other leading newspaper, published from Hyderabad. I quote:

> "Attacks were planned in advance." This is the headline of the story.
>
> "Communal trouble appears to have been well planned because it occurred after the Friday prayers, and a mob coming out of a place of worship, carried petrol in cans, setting on fire dozen buses and targeting innocent people who got out of their houses and were running for safety....
>
> "Even as the incidents began on Friday, the same pattern of incidents that rocked the city in November and December, 1990 which forced Dr. M. Chenna Reddy to quit as Chief Minister...."

Sir, Hyderabad has got a bad histroy with regard to communal clashes. Time and again, whenever the communal forces find that their grip is losing, they try to create some trouble or other. It is not out of place to mention that the hon. Chief Minister—at that time Dr. Chenna Reddy was there himself made a statement which had caused a sensation throughout the State, saying that his own party-men, in order to unseat him from power, had created a communal trouble in Hyderabad city. It is now part of history; nobody can deny that.

Secondly, Sir, there is now competition, a mad competition, going on between two fundamentalist groups in Hyderabad. There is a split in the organisation of Majlis Ittehad Muslimeen, and both the groups are fighting with each other. In order to garner support, they are creating a communal tension in Hyderabad city.

Thirdly, Sir, there is some sort of slackness on the part of the police because the pamphlet was found on 1st. It was distributed; it was planned, it was intended to denigrate, to incite the minority community, to create an impression as if the Hindus had printed this pamphlet in order to incite the minority community. Whoever has done this, he seems to have done it, Sir, with a clear-cut plan, with a clear-cut programme. This is a mischievous act on the part of certain vested interests. This has to be inquired into. This really has to be condemned by one and all. No civilised person, whether he is a Hindu or a Muslim, can do such caricature; and then copying it and distributing it in the city shows the intention behind this. This is the third point, Sir.

The fourth point is with regard to the prevailing situation. Let us all try to understand what the root cause of this trouble is, who the mischief-makers are. Unfortunately, every time whenever there is a discussion, either in the Legislature or outside, or even in the media, people try to make accusations, counter-accusations, and the real culprits are going scot-free! So, my suggestion to the hon, House, to the various parties is this. Here is a situation which has been created by a group of people for their

own vested interests. There is no Hindu-Muslim clash behind this. This is an act, a deliberate act, a heinous act, planned by certain people, and the Government by this time must have come to know of it. But unfortunately, Sir, because of vote-bank politics, nobody is ready to identify and name the persons in public. This has been the tradition over the last few years in Hyderabad city. I have been experiencing this. I was one of the candidates from the Hyderabad Parliamentary constituency earlier. Even as a legislator from Hyderabad, from Andhra Pradesh, I used to visit the affected areas a number of time. The real culprits are going scot-free. Children were burnt to death, houses were destroyed. The houses of both the poor Muslim rickshaw-pullers and the Hindus were set on fire. The ordinary passengers who came there and who happened to be there near Charminar at that time, were also beaten. But now if you go by the story of these two newspapers, it is very clear that people came with an intention; they wanted to incite communal trouble and they wanted to take advantage of the same. My friend, Shri K.M. Khan, who is a senior Member from the Congress Party in Andhra Pradesh, said that it has got something to do with regard to Telugu Desam extending support to the BJP at the Central! Sir, may I bring to the notice of this House the fact that between 1990 and 1994, the Congress Party was in power?

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: (Andhra Pradesh): During 1989—94.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: During that particular period—I have got some figures—during those four years, there were 1,026 communal incidents in Andhra Pradesh. Sir, 289 persons were killed and 1,433 people were injured. During the Congress regime, there were communal troubles. During the Telugu Desam regime there were communal troubles. It is not fair to accuse the Government and try to take political mileage from the same. If you try to do that, ...*(interruptions)*....

SHRI VAYALAR RAVI : Sir, I am on a point of order. The hon. Member read out a statement, and he has given certain figures. He must take the responsibility of authenticating that paper from which he is reading out. We never raise in Parliament questions from such reports. So, naturally, Sir, we expect of him to authenticate the figurers and the report which he has read out, and he should lay it on the Table of the House.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I will do that....*(Interruptions)*...Sir, I will do that. You can take it as my information also. But as the Member has raised a point or order, I am ready to authenticate the same. It is part of the record, it is part of history. Everybody knew what was happening in Hyderabad, and under whose regime how many people were killed.

SHRI MD. SALIM (West Bengal): Authenticating is a different thing. *(Interruptions)*...When you give some firgures you should say the source. That is all. *(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: These communal troubles are occurring and re-occurring time and again in Hyderabad. *(Interruptions)*...

SHRI MD. SALIM: He is not disclosing the source. *(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): He has quoted some figures. But he has not mentioned the sourcer. *(Interruptions)*...

SHRI MD. SALIM: He has to mention the source. That is all. *(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: We are not disputing the contents. But what is the source? *(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: You should have some patience. *(Interruptions)*...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Let the Chairman ask., *(Interruptions)*... Why are you asking? *(Interruptions)*... Let the Chairman ask. *(Interruptions)*...

SHRI VAYALAR RAVI: From where did you get the figures? *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Can you tell the source; *(Interruptions)*...

डा० अलादी पी० राजकुमार: सोर्स है, सबर करें देंगे।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश): सर, यह उनका पहला वक्तव्य है। आप उसको ध्यान से सुनिए।...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम: आपको सोर्स बोलना पड़ेगा. इस सदन में।..(व्यवधान)...अगर सोर्स है तो देना पड़ेगा...(व्यवधान)...

†श्री मोहम्मद सलीम: आपको सोर्स बोलना पड़ेगा इस सदन में ...(व्यवधान)... अगर सोर्स है तो देना पड़ेगा...(व्यवधान)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Why are you asking? Let the Chairman ask. *(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, what is this; *(Interruptions)*... I cannot to tolerant, if they are disturbing like this. This is the experience I have in this House. *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: You please speak. *(Interruptions)*...

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): Sir, he is not supposed to disclose the source like this. They may contradict his information. *(Interruptions)*... Is this the way to force a Member of Parliament to disclose the source? I think not. *(Interruptions)*...He is getting an immunity to speak, if he has the permission of the Chairman to inform the House. *(Interruptions)*...If the House does not agree with it, they are free to contradict it. *(Interruptions)*...

SHRI MD. SALIM: I dispute it. Mr. Joshi is an honourable, a respectable, Member of Parliament. Though at present he is not a Member of this House, he was a Member of this House. I am talking about how the people are misled. Whenever we speak on something, whenever we give some figures, we give it to the House, to the nation. When you give a figure, whether it is 1,400 or one lakh, if asked, you have to mention the source. This is the data that you have got from this source, whether it is from an unstarred question or from the Home Ministry or from the newspapers. You give us something. We are not disputing it. But you have to give the source.

MR. CHAIRMAN: Let him reply. Let us see. Are you prepared to give the source?

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I am prepared to give the source. As a Member of the Legislative Assembly I have been in touch with what is happening in Andhra Pradesh. I was also one of the active Members of the Legislative Assembly. Even as a party functionary I used to collect material regularly. *(Interruptions)*... As a person concerned with Hyderabad city, time and again, I have collected them from the newspapers, from the articles and also from the information furnished by the Government from time to time. There are reports also. If the Member is so confident of disputing me, he can dispute my figures. There is nothing secret about it. There is nothing sacrosanct about it. *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: He has agreed to authenticate it with the source. *(Interruptions)*...

SHRI MD. SALIM: The House has a right to know what he is authenticating. Is it a piece of paper? Is it an article? Is it a letter? Is it an answer? Please tell us *(Interruptions)*...

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: He has already submitted to the House...*(Interruptions)*...

†[ ]Transliteration in Arabic Script

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: The hon. Member has said that he would authenticate it. (*Interruptions*)... He said that he would authenticate it. (*Interruptions*)...

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): He is not a Minister to correct it later on. (*Interruptions*)... He cannot mislead the house. (*Interruptions*)...

SHRI K.M. KHAN: It is totally incorrect. (*Interruptions*)...It also includes the figures of 1992 when there was a sapte of communal riots in the country after Babari Masjid demolition. (*Interruptions*)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I am making a Special mention and he is giving a reply to me. What is he clamouring about, I just can't understand. (*Interruptions*)...

SHRI K.M. KHAN: He is inclduing all that. The Congress Party was not responsible for them. (*Interruptions*)... It is the BJP which was responsible for engineering all these riots. (*Interruptions*)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: What is this, Sir? (*Interruptions*)... Am I allowed to speak? (*Interruptions*)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Mr. Khan, your party was ruling in 1992. (*Interruptions*)...

SHRI K.M. KHAN: You were not there in the picture in 1992. (*Interruptions*)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Mr. Khan, your party was ruling in 1992. (*Interruptions*)... You don't forget that. (*Interruptions*)... Dr. Chenna Reddy has been dethroned from Chief Ministership... (*Interruptions*)...

SHRI K.M. KHAN: There is no proof. (*Interruptions*)... He is trying to mislead the House. (*Interruptions*)... There is nothing as such that Dr. Chenna Reddy has himself stated that the Congress people were trying to topple his Government. (*Interruptions*)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: If the Congress Members so desire, I will give the Press cuttings of Dr. Chenna Reddy's statement making allegations that the Congress Party was trying to oust him from the Chief Ministership by inciting communal trouble (*Interruptions*)... He has said so. People were called from Vijayawada. (*Interruptions*)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Communal troubles have been started by the Congress Party. (*Interruptions*)... Sir, you know it very well. (*Interruptions*)... He controlled the communal riots within hours. (*Interruptions*)... More than 600 people...(*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: When you speak, you can give the figures. (*Interruptions*).

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, ...(*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: Mr. Poojary, don't speak in anger. (*Interruptions*).

SHRI JANARDHANA POOJARY: (Karnataka) Sir, the hon. Member has made a reference to Shri Chenna Reddy who is no more. He is not present in the House. (*Interruptions*). Sir, it is a convention and rules also say that when a person is not in a position to defend himself and when a person is not in a position to come to the House. ...(*Interruptions*). It may be ...(*Interruptions*). Sir, yesterday also the same thing happened. Sir, if he says something and makes certain allegations.....

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I have not made any allegation.

SHRI JANARDHANA POOJARY: He is making an allegation that the Congress party was responsible for those communal riots and that Shri Chenna Reddy stated it. It is not fair. (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: The basic question is this. When you say something you have to prove that. That is all.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I have read it from a newspaper.

MR. CHAIRMAN: If you can prove it, kindly prove it. (*Interruptions*).

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Yesterday, there was a mention about the Chief of RSS. There was also a mention about the VHP President. There was also a mention about so many people who were not present in the House. They made serious allegations. (*Interruptions*).

श्रीशरीफ-उद्-दीनशरीक (जम्मू और कश्मीर): सर, ...**(व्यवधान)** मेरी एक छोटी सी अर्ज है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: जब आपकी बारी आयेगी तब बोल लीजिएगा।

श्री शरीफ-उद्-दीन शरीक: सर, मैं इसी सिलसिले में कुछ कहना चाहता हूं। मैं कन्ट्रोवर्सी में नहीं जाना चाहता हूं। नायडू जी का कहना है कि सम वेस्टेड इन्टरेस्ट इनके पीछे हैं। Who are the vested interests? वे वेस्टेड इन्टरेस्ट कौन हैं और दूसरे यह कि दिल्ली के होम मिनिस्टर ने इसमें क्या पार्ट किया है? ...(**व्यवधान**...

श्री एम॰ वेंकैया नायडु: ये क्या बात कह रहे है साहब। ...(**व्यवधान**...

श्री सभापति: आप नई तकरीर नहीं कर सकते हैं।

श्री शरीफ-उद्-दीन शरीक: यह मामला गंभीर है, यह तो सारे देश को पता है। यह सिर्फ हिन्दू और मुसलमानों का सवाल नहीं है, यह देश के लोगों की जिन्दगी का सवाल है।

श्री सभापति: हां, ठीक बात है।

श्री शरीफ-उद्-दीन शरीक: जब हिन्दुस्तान में रहना है तो सब लोग इकट्ठे रहेंगे। अगर मार-काट शुरु हो गई तो देश नहीं रहेगा। इन्होंने कांग्रेस पर इल्जाम लगाया, उन्होंने इनपर इल्जाम लगाया, मुझे इससे गर्ज नहीं है, मेरे सामने तो एक ही चेहरे के दो रुख हैं ये। हिन्दुस्तान इस बात से मुतहलक नहीं रह सकता, आपस में जब लड़ाई हो।

श्री सभापति: देखिए, जब आपको तकरीर करनी होगी तो बोल लीजिएगा, उनको बोलने दीजिए। जब वे बोलेंगे तो इनको नहीं बोलना चाहिए। Everybody has a right.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, I am referring to a newspaper report which is with me. The *Indian Express* says that the 1990 riots were ...(*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: Please sit down. (*Interruptions*).

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Yesterday we had seen their behaviour. (*Interruptions*).

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): आप बीच में क्यों बोल रहे हैं ...**(व्यवधान)** वे पेपर से पढ़ रहे हैं ...**(व्यवधान)**.

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, I am on a point of order. (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: He is on a point of order. (*Interruptions*)...

SHRI VAYALAR RAVI: Mr. Chairman, Sir, you have allowed this discussion on the incident which took place this week. The issue is very important. While raising such an issue we should confine ourselves to the main incident. Now the hon. Member goes back to 1989-90. He is referring to a statement made by somebody eight years ago. Sir, it is not related to this issue. But he was right when he said that somebody came in a car. That is all right. It is within the purview of the subject. If he talks of 1989-90, it has no relevance.

Sir, will you agree with the suggestion I am making that the hon. Member should confine himself to the incident and he should not take the name of Mr. Chenna Reddy (*Interruptions*).

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: यह क्या प्वाइंट आप आर्डर है? ...**(व्यवधान)**...यह क्या बोल रहे हैं? **(व्यवधान)**

श्री वसीम अहमद (उत्तर प्रदेश): हाऊस को मिसलीड कर रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस में ऐसा कुछ नहीं है। इनको यह मानना पड़ेगा कि इन्होंने हाऊस को मिसलीड किया है। इसके लिए वे हाऊस से माफी मांगे। इंडियन एक्सप्रेस में कोई फिगर नहीं हैं। **(व्यवधान)**

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: इन्होंने प्वाइंट आफ आर्डर क्या रेज किया है? ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: This is not a point of order. He has made a suggestion that the Member should confine himself to the incident. That is all... (*Interruptions*).

SHRI WASIM AHMED: He is quoting Indian express.

ही इज कोटिंग इंडियन एक्सप्रेस। इंडियन एक्सप्रेस में ऐसा कुछ नहीं है। ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: देखिए, आप मेरी बात सुनिए। आप एक दूसरे को जो ...(**व्यवधान**)... आपने कहा कि इंडियन एक्सप्रेस में कहीं नहीं है और वे कहते हैं कि इंडियन एक्सप्रेस में है। तो वे चेक करके बता देंगे।

श्री वसीम अहमद: इन्होंने हाउस में कहा ...(**व्यवधान**)...उन्होंने कहा कि वे इंडियन एक्सप्रेस से कोट कर रहे हैं। आप रिकार्ड देख लीजिए। अभी कहा। अभी अभी कहा। आप रिकार्ड चेक कर लीजिए। इन्होंने कहा है...(**व्यवधान**)...

SHRI M. VENKAISH NAIDU: Even if I am trying to defend the Chief Minister, there is nothing wrong in it. I have got every right to defend the present Government...(*Interruptions*)

श्री सभापति: आप बैठिए। वे जो बोल रहे हैं उनकी बात सुनकर आप फिर क्वेश्चन करें। आपको उसका पूरा जवाब मिलेगा। आपको भी जवाब देने के लिए बुलाया जाएगा और आप को भी जो बोलना हो तब आप अपनी बात कहें। इस समय उनको अपनी बात कहने दीजिए।...(**व्यवधान**)...

श्री वसीम अहमद: रूल में देखिए ..(**व्यवधान**)... हाउस के अंदर, हाउस में खड़े होकर कह देना कि ...(**व्यवधान**)... रूल 6 में देखिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: सदस्य को बोलने का मौका दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI M. VENKAIAH NADU: A few Members cannot hold the House to ransom... (*Interruptions*)

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): A Vice-Chairman had given a ruling on this point yesterday. He said, Mr. Nayyar, you are not permitted to make a reference to a person who is not here in the House and not capable of defending himself." Today we are making insinuations against a person who is not here in this House...(*Interruptions*)

SHRI ALLADI P. RAJKUMAR: Sir, it is a fact which he is stating. It is on record. It is in the newspapers... (*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: You talked about Mr. Kalyan Singh a hundred times yesterday... (*Interruptions*)

डॉ॰ अलादी पी॰ राजकुमार (आंध्र प्रदेश): जब इंदिरा गांधी का नाम लेंगे, राजीव गांधी का नाम लेंगे तब मालूम नहीं पड़ता कि वे हाऊस में नहीं हैं। लेकिन जब चेन्नारेड्डी का नाम ले लिया तो उनका नाम हाउस में नहीं लेना चाहिए। यह कैसा इंसाफ है आप ही बोलिए।...(**व्यवधान**)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, it is 1 o'clock and you adjourn the House for lunch.

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): हमेशा यह बताते रहे हैं (**व्यवधान**) कोई नयी बात नहीं है...(**व्यवधान**) हमारा पूरा अधिकार है बात करने का...(**व्यवधान**)

SHRI C. RAMACHANRAIAH (Andhra Pradesh): They are quoting Chenne Reddy. (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I adjourn the House till 2 o'clock.

The House then adjourned for lunch at one of the clock.

The House reassembled after lunch at three minutes past two of the clock, **The Vice-Chairman (Shri Md. Salim)** in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Shri M. Venkaiah Naidu. But before we start, I want to say that it is a verysensitive subject. I request the hon. Members that when we discuss communal violence, the Members should restrain themselves from making charges and counter-charges, allegations and counter-allegations. A wrong message should not go from this House.

Mr. M. Venkaiah Naidu: Please conclude quickly because you have already spoken.

MR. M. VENKAIAH NAIDU: Sir, the information I have from Hyderabad is that the situation has come back to almost near-normalcy. But I would urge upon the State Government to take all

precautions in the light of previous experiences.

Sir, as I was saying in the morning, there are two influential political groups—I hesitate to call them political groups; they are now political parties, but they are fundamentalist groups in Hyderabad—the Majlis-e-Ittahadul Muslimeen and the Majlis Bachao Tehreeq and they enjoy the support of minorities in the old city. Sir, the Majlis *Ittehadul* Muslimeen and the Majlis Bachao Tehreeq have taken an antagonistic attitude towards the Chief Minister Shri N. Chandrababu Naidu after the Telugu Desam Party bailed out the BJP-led coalition Government in Lok Sabha during the Vote of Confidence. This is the newspaper report of *The Hindu* dated 6th June. Apart from these newspaper reports, it is everybody's knowledge in Hyderabad that these groups are vying with each other in order to sustain their leadership in Hyderabad city. They are indulging in acts of this sort. Sir, mere condemnation will not suffice. What I request the Government is that it should really go into the root cause of the trouble and find out the organisations which are actually responsible because we have also gone through earlier...

SHRI NILOTPAL BASU: Mr. Vice-Chairman, Sir, there is no Cabinet Minister in the House.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI DILIP RAY): Shri Kumaramangalam is on his way.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): No, no. The House can't wait for Mr. Kumaramangalam. The House can't wait for your Cabinet Minister.

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, you adjourn the House till a Cabinet Minister comes.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Is the Cabinet Minister coming?

SHRI DILIP RAY: Yes, Sir.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, you adjourn the House till a Cabinet Minister comes. It is a very wrong precedent.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): The House stands adjourned for 15 minutes.

The House then adjourned at six minustes past two of the clock.

The House reassembled at twenty-one minutes past two of the clock, **The Vice-Chairman (Shri MD. Salim)** in the Chair.

MESSAGES FROM THE LOK SABHA

(I) Nomination of Members from Rajya Sabha to associate with Committee on Public Accounts

(II) Nomination of Members from Rajya Sabha to associate with Committee on Public Undertakings

(III) Nomination of Members from Rajya Sabha to associate with Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following messages received from the Lok Sabha, signed by the Secretary General of the Lok Sabha:

(I)

"I am directed to inform you that Lok Sabha, at its sitting held on Wednesday, the 10th June, 1998, adopted the following motion:—

"That this House do recommend to Rajya Sabha that Rajya Sabha do agree to nominate seven members from Rajya Sabha to associate with the Committee on Public Accounts of the House for the term ending on the 30th April, 1999 and do communicate to this House the names of the members so nominated by Rajya Sabha."